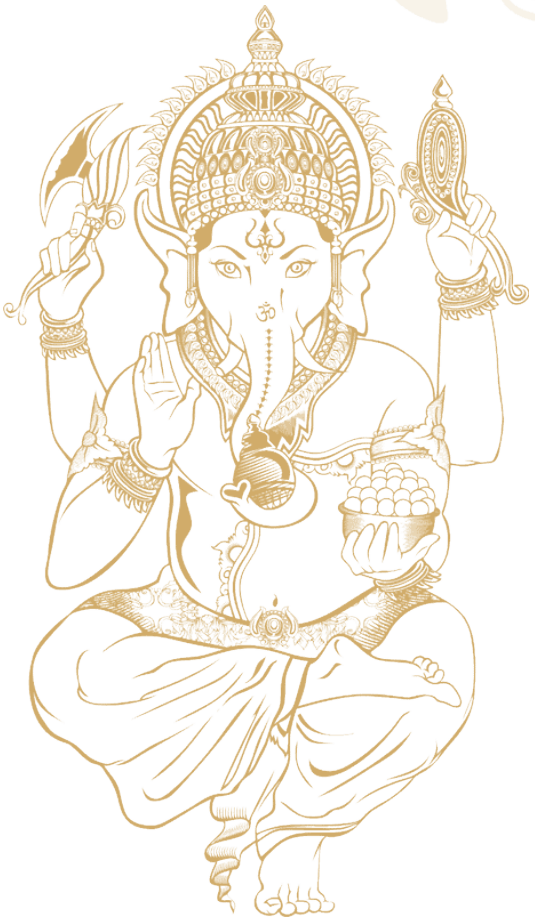

# Mohit Dubey

28 Feb 1992

05:55 PM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121033104

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **28/02/1992** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **17:55:00 घंटे** |
| इष्ट | 27:52:30 घटी |
| **स्थान** | **Bulandshahr** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:30:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:49:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:18:44 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 17:36:16 घंटे |
| वेलान्तर | -00:12:44 घंटे |
| साम्पातिक काल | 04:06:36 घंटे |
| सूर्योदय | 06:46:00 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:17:16 घंटे |
| दिनमान | 11:31:16 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 15:25:05 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 11:21:40 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **धनु - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पूर्वाषाढ़ा - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | व्यतिपात |
| करण | बव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | वानर |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | फा-फारुख |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 11:21:40 | 314:08:58 | मघा | 4 | 10 | सूर्य | केतु | शनि | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 15:25:05 | 01:00:17 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | धनु | 20:28:49 | 11:47:02 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | सम राशि |
| मंगल | | | मक | 14:10:03 | 00:46:09 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | गुरु | उच्च राशि |
| बुध | | | कुंभ | 28:51:12 | 01:46:54 | पू०भाद्रपद | 3 | 25 | शनि | गुरु | सूर्य | सम राशि |
| गुरु | व | | सिंह | 15:59:42 | 00:07:53 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | सूर्य | मित्र राशि |
| शुक्र | | | मक | 18:22:01 | 01:14:04 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | मित्र राशि |
| शनि | | | मक | 18:56:47 | 00:06:41 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | स्वराशि |
| राहु | व | | धनु | 14:21:05 | 00:00:46 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | शुक्र | नीच राशि |
| केतु | व | | मिथु | 14:21:05 | 00:00:46 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | बुध | नीच राशि |
| हर्ष | | | धनु | 23:05:33 | 00:02:31 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | --- |
| नेप | | | धनु | 24:28:59 | 00:01:36 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | बुध | --- |
| प्लूटो | व | | तुला | 29:12:00 | 00:00:08 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | सूर्य | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 09:54:54 | -- | कृतिका | -- | 3 | शुक्र | सूर्य | शुक्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:09

## लग्न-चलित

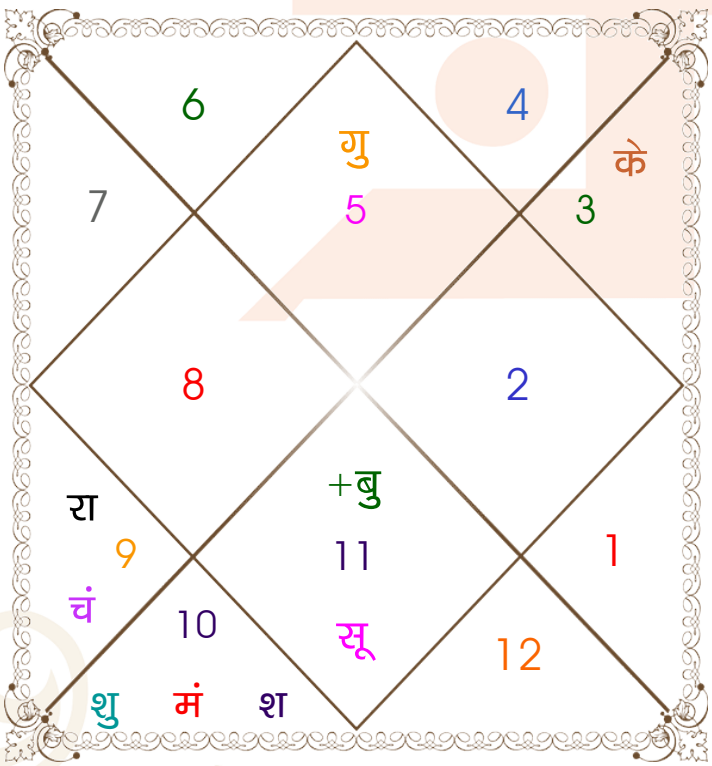


## चन्द्र कुंडली

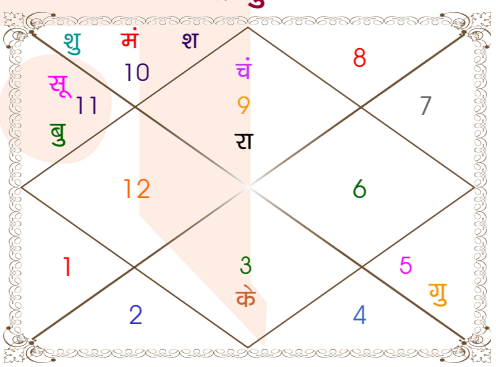


## नवमांश कुंडली

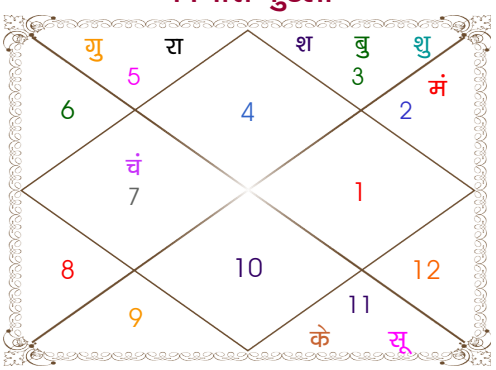

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 3 मास 10 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 28/02/1992 | | 10/06/2001 | | 10/06/2007 | | 10/06/2017 | | 09/06/2024 | |
| 10/06/2001 | | 10/06/2007 | | 10/06/2017 | | 09/06/2024 | | 10/06/2042 | |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 27/09/2001 | चंद्र | 10/04/2008 | मंगल | 06/11/2017 | राहु | 21/02/2027 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 29/03/2002 | मंगल | 09/11/2008 | राहु | 24/11/2018 | गुरु | 16/07/2029 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 04/08/2002 | राहु | 11/05/2010 | गुरु | 31/10/2019 | शनि | 22/05/2032 |
| | 00/00/0000 | राहु | 28/06/2003 | गुरु | 10/09/2011 | शनि | 09/12/2020 | बुध | 10/12/2034 |
| | 28/02/1992 | गुरु | 16/04/2004 | शनि | 10/04/2013 | बुध | 06/12/2021 | केतु | 28/12/2035 |
| गुरु | 10/04/1994 | शनि | 29/03/2005 | बुध | 09/09/2014 | केतु | 04/05/2022 | शुक्र | 28/12/2038 |
| शनि | 10/06/1997 | बुध | 02/02/2006 | केतु | 10/04/2015 | शुक्र | 05/07/2023 | सूर्य | 22/11/2039 |
| बुध | 10/04/2000 | केतु | 10/06/2006 | शुक्र | 09/12/2016 | सूर्य | 09/11/2023 | चंद्र | 22/05/2041 |
| केतु | 10/06/2001 | शुक्र | 10/06/2007 | सूर्य | 10/06/2017 | चंद्र | 09/06/2024 | मंगल | 10/06/2042 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10/06/2042 | | 10/06/2058 | | 10/06/2077 | | 10/06/2094 | | 11/06/2101 | |
| 10/06/2058 | | 10/06/2077 | | 10/06/2094 | | 11/06/2101 | | 00/00/0000 | |
| गुरु | 28/07/2044 | शनि | 13/06/2061 | बुध | 06/11/2079 | केतु | 06/11/2094 | शुक्र | 10/10/2104 |
| शनि | 08/02/2047 | बुध | 21/02/2064 | केतु | 03/11/2080 | शुक्र | 06/01/2096 | सूर्य | 10/10/2105 |
| बुध | 16/05/2049 | केतु | 01/04/2065 | शुक्र | 03/09/2083 | सूर्य | 13/05/2096 | चंद्र | 11/06/2107 |
| केतु | 22/04/2050 | शुक्र | 31/05/2068 | सूर्य | 10/07/2084 | चंद्र | 12/12/2096 | मंगल | 10/08/2108 |
| शुक्र | 21/12/2052 | सूर्य | 13/05/2069 | चंद्र | 09/12/2085 | मंगल | 10/05/2097 | राहु | 11/08/2111 |
| सूर्य | 09/10/2053 | चंद्र | 13/12/2070 | मंगल | 07/12/2086 | राहु | 29/05/2098 | गुरु | 29/02/2112 |
| चंद्र | 08/02/2055 | मंगल | 21/01/2072 | राहु | 25/06/2089 | गुरु | 05/05/2099 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 15/01/2056 | राहु | 27/11/2074 | गुरु | 01/10/2091 | शनि | 13/06/2100 | | 00/00/0000 |
| राहु | 10/06/2058 | गुरु | 10/06/2077 | शनि | 10/06/2094 | बुध | 11/06/2101 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 3 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।